

सुनो बाबोसा मेरे सरकार तू इतना ना करियो श्रंगार



सुनो बाबोसा मेरे सरकार,
तू इतना ना करियो श्रंगार,
नजर लग जायेगी,
नजर लग जायेगी।bd।

तर्ज - मेरे बांके बिहारी लाल ।

तोरी सुरतिया पे मन मोरा अटका,
प्यारा लगे तोरा पिला पटका,
तेरी टेडी मेडी चाल,
तू इतना ना करियो श्रंगार,
नजर लग जायेगी,
नजर लग जायेगी।bd।

चूरू धाम पे मन मोरा अटका,
भक्ति में तेरी मन मेरा भटका,
तेरे घूँघर वाले बाल,
तू इतना ना करियो श्रंगार,
नजर लग जायेगी,
नजर लग जायेगी।bd।

कान में कुंडल हाथ में घोटा,
दो नयनन में जग को समेटा,
तेरे गले वैजंती माल,
तू इतना ना करियो श्रंगार,
नजर लग जायेगी,
नजर लग जायेगी।bd।

गले में मणियों की माला सोहे,
केशरिया बागा मन मेरा मोहे,
लिया हाथ में घोटा धार,
तू बैठा हो लीले असवार,
नजर तोहे लग जाये ना,
नजर तोहे लग जाये ना।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



जब जब बाबोसा की सूरत निहारु,
लागे है जैसे मैं नजरे उतारु,
सुनो 'दिलबर' की ये दरकार,
तू इतना ना करियो श्रंगार,
नजर लग जायेगी,
नजर लग जायेगी।bd।

सुनो बाबोसा मेरे सरकार,
तू इतना ना करियो श्रंगार,
नजर लग जायेगी,
नजर लग जायेगी।bd।

गायिका – ममता राउत ।
(भोजपुरी गायिका) मुम्बई ।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर' ।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365